भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

03.12.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 614 का उत्तर

भद्राचलम-मलकानगिरी/जयपुर-नबरंगपुर नई रेल लाइन

614. श्री बलभद्र माझी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) भद्राचलम-मलकानगिरी, जयपुर-नबरंगपुर और नबरंगपुर नई रेल लाइन के कार्यों की प्रगति का ब्यौरा क्या है;

(ख) इन परियोजनाओं के शुरू न होने के विशिष्ट कारणों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) इन परियोजनाओं के शुरू होने की समय-सीमा का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): जूनागढ़ और नबरंगपुर (116 कि.मी.) के बीच 2,865 करोड़ रुपए की लागत से नई लाइन कार्य को स्वीकृति दे दी गई है। इस परियोजना में 376.64 हेक्टेयर निजी भूमि का अधिग्रहण, 58.87 हेक्टेयर सरकारी भूमि का हस्तांतरण और 351.68 हेक्टेयर वन भूमि का डायवर्जन शामिल है। इस परियोजना को भूमि अधिग्रहण के लिए 'विशेष रेल परियोजना' के रूप में अधिसूचित किया गया है। भूमि अधिग्रहण के लिए सक्षम प्राधिकारी (भूमि अधिग्रहण के लिए सक्षम प्राधिकारी) नियुक्त किया गया है और भूमि अधिग्रहण शुरू किया गया है।

नबरंगपुर-जयपुर (41 किलोमीटर) नई लाइन परियोजना को लागत साझाकरण के आधार पर 748 करोड़ रुपए की लागत से मंजूरी दी गई है। इस परियोजना में 291.87 हेक्टेयर निजी भूमि का अधिग्रहण, 33.59 हेक्टेयर सरकारी भूमि का हस्तांतरण और 13.47 हेक्टेयर वन भूमि का डायवर्जन शामिल है। इस परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण राज्य सरकार द्वारा किया गया है क्योंकि इस परियोजना के लिए भूमि ओडिशा सरकार द्वारा प्रदान की जाएगी। अब तक कुल 338.94 हेक्टेयर भूमि की आवश्यकता थी, जिसमें से 12.41 हेक्टेयर भूमि अधिगृहित की जा चुकी है। इंद्रावती नदी पर पुल का कार्य शुरू हो गया है।

जयपुर-मल्कानगिरी (130 कि.मी.) नई लाइन परियोजना को लागत साझाकरण के आधार पर 2,344 करोड़ रुपए की लागत से स्वीकृति दी गई है। इस परियोजना में 505.43 हेक्टेयर निजी भूमि का अधिग्रहण, 169.68 हेक्टेयर सरकारी भूमि का हस्तांतरण और 452.71 हेक्टेयर वन भूमि का डायवर्जन शामिल है। भूमि अधिग्रहण शुरू किया गया है। अब तक कुल 1,127.82 हेक्टेयर भूमि की आवश्यकता थी, जिसमें से 167.39 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया जा चुका है।

भद्राचलम स्टेशन (174 कि.मी.) के रास्ते मल्कानगिर से पांडुरंगापुरम के बीच से नई लाइन के कार्य को 3,592 करोड़ रुपए की लागत से स्वीकृति दे दी गई है। इस परियोजना में 403.23 हेक्टेयर निजी भूमि का अधिग्रहण, 77.76 हेक्टेयर सरकारी भूमि का हस्तांतरण और 320.25 हेक्टेयर वन भूमि का डायवर्जन शामिल है। इस परियोजना को भूमि अधिग्रहण के लिए 'विशेष रेल परियोजना' के रूप में अधिसूचित किया गया है। भूमि अधिग्रहण के लिए सक्षम प्राधिकारी (सीएएलए) की नियुक्ति की गई है और भूमि अधिग्रहण शुरू किया गया है।

<u>ओडिशा</u>

हाल के वर्षों में बजट आवंटन में उल्लेखनिए वृद्धि हुई है। ओडिशा राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आवंटन निम्नानुसार है:

अवधि	व्यय
2009-14	838 करोड़ रु. प्रतिवर्ष
2025-26	10,599 करोड़ रु. (लगभग 13 गुना)

वर्ष 2009-14 और 2014-25 के दौरान ओडिशा राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले नए रेलपथों की कमीशनिंग/बिछाने का ब्यौरा निम्नानुसार है:

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथ की औसत कमीशनिंग
2009-14	267 कि.मी.	53.4 कि.मी.
2014-25	2,150 कि.मी.	195.45 कि.मी. (3.5 गुना से ज्यादा)

दिनांक 01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, ओडिशा राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 67,496 करोड़ रुपए की लागत की 4,010 कि.मी. कुल लंबाई की 49 परियोजनाएं (19 नई लाइनें और 30 दोहरीकरण), को स्वीकृत किया गया है, जिनमें से 1,429 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च 2025 तक ₹28,043 करोड़ का व्यय किया गया है। सारांश इस प्रकार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (में .मी.कि)	मार्च 2025 तक कमीशन की गई लंबाई (में .मी.कि)	मार्च 2025 तक किया गया कुल व्यय (करोड़ रु(में .
नई लाइनें	19	1,544	2,56	6,270
दोहरीकरणमल्टीट्रैकिंग/	30	2,466	1,173	21,773
कुल	49	4,010	1,429	28,043

ओडिशा राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली हाल ही में पूरी की गई कुछ परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है।

क्र.सं	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ों में)
1	दैतारी-बांशपानी नई लाइन और जखपुरा-हरिदासपुर तीसरी लाइन (179 कि.मी.)	1,317
2	झारसुगुडा से एमसीएल निजी साइडिंग - सरडेगा नई लाइन (53 कि.मी.)	1,598
3	हरिदासपुर-पारादीप नई लाइन (82 कि.मी.)	2,397
4	अनुगुल-सुकिन्दा नई लाइन (104 कि.मी.)	2,834
5	चंपा-झारसुगुडा तीसरी लाइन (152 कि.मी.)	1,227
6	संबलपुर-टिटिलागढ़ दोहरीकरण (182 कि.मी.)	2,262
7	राउरकेला-झारसुगुडा तीसरी लाइन (101 कि.मी.)	1,313
8	बांशपानी-दैतारी-टमका-जखपुरा दोहरीकरण (164 कि.मी.)	1,827
9	संबलपुर-ताल्चेर दोहरीकरण (174 कि.मी.)	1,539
10	रायपुर-टिटिलागढ़ दोहरीकरण (203 कि.मी.)	1,171
11	झारसुगुडा-सरडेगा दोहरीकरण (50 कि.मी.)	3,200

इसके अलावा, ओडिशा राज्य में पूर्णतः या अंशतः पड़ने वाली कुछ प्रमुख परियोजनाएं जो शुरू की गई हैं, वे इस प्रकार हैं:

क्र.सं	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ों में)
1	जुनागढ़-नबरंगपुर नई लाइन (116 कि.मी.)	2,865
2	नवरंगपुर-जयपुर नई लाइन (41 किमी)	748
3	जयपुर-मल्कानगिरी नई लाइन (130 कि.मी.)	2,344
4	मल्कानगिरी-पांडुरंगापुरम नई लाइन (174 किमी)	3592
5	बुढ़ामरा-चाकुलिया न्यू लाइन (60 कि.मी.)	1459
6	गुनुपुर-थरूबाली नई लाइन (74 कि.मी.)	1,166
7	पुरी-कोणार्क नई लाइन (32 कि.मी.)	492
8	बदामपहाड़-केन्दुझरगढ़ नई लाइन (82 कि.मी.)	1,876
9	बांगिरिपोषी-गोरुमाहिषानी नई लाइन (86 कि.मी.)	2,269

क्र.सं	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ों में)
10	बरगढ़ रोड-नुआपड़ा रोड नई लाइन (138 कि.मी.)	2,622
11	विजयनगरम-टिटिलागढ़ तीसरी लाइन (265 कि.मी.)	6,996
12	जरपड़ा-बुढापंक तीसरी और चौथी लाइन तालचेर में फ्लाईओवर के साथ (101 कि.मी.)	810
13	राज आठगड़ तीसरी और चौथी लाइन के रास्ते बुढापंक-सालेगांव (170 कि.मी.)	2,023
14	तीसरी लाइन निर्गुण्डि - बारंग और खोरधा रोड- विजयनगरम (385 कि.मी.)	4,963
15	कोत्तवलसा-कोरापुट दोहरीकरण (189 कि.मी.)	2,500
16	कोरापुट-सिंगापूर रोड़ सड़क दोहरीकरण (165 कि.मी.)	2,362
17	जगदलपुर-कोरापुट दोहरीकरण (107 कि.मी.)	1,547
18	झारसुगुडा-बिलासपुर चौथी लाइन (206 कि.मी.)	2,596
19	बन्डामुन्डा-रांची दोहरीकरण (159 कि.मी.)	3,029
20	नारायणगढ़-भद्रक तीसरी लाइन (153 कि.मी.)	2,136
21	भद्रक-निर्गुण्डि तीसरी लाइन (92किमी)	1284

पिछले तीन वर्षों अर्थात् 2022-23, 2023-24, 2024-25 और चालू वित्त वर्ष अर्थात् 2025-26 के दौरान, ओडिशा राज्य में पूर्णतः या अंशतः पड़ने वाले कुल 76 सर्वेक्षणों (30 नई लाइन, 46 दोहरीकरण), जिनकी कुल लंबाई 4,843 किमी है, को स्वीकृति दी गई है।

रेल परियोजना(ओं) का पूरा होना विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है, जैसे

- भूमि अधिग्रहण
- वन संबंधी मंजूरी
- अतिलंघनकारी जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण
- विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक मंजूरी
- क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक स्थितियां,
- परियोजना/परियोजनाओं के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति
- विशिष्ट परियोजना स्थल के लिए एक वर्ष में कार्य के महीनों की संख्या आदि।

ये सभी कारक परियोजना/परियोजनाओं के समापन समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

*****